TEACHERS OF BIHAR

# दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com
https://twitter.com/teachersofbihar
https://www.youtube.com/c/teachersofbihar
https://www.facebook.com/teachersofbihar
https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar
www.teachersofbihar.org

# 2024

# Teachers of Bihar
*The change makers*

# दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

## 04 अप्रैल

1. **अंतर्राष्ट्रीय खदान जागरूकता और खनन कार्य सहायता दिवस–** संयुक्त राष्ट्र ने प्रतिवर्ष 4 अप्रैल को यह दिवस लोगों को लैंडमाइन्स की वजह से उत्पन्न हुए खतरों से सुरक्षा प्रदान करने, स्वास्थ्य और जीवन से संबंधित परेशानियों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मनाए जाने कि घोषणा की थी। यह पहली बार 2006 ई0 में मनाया गया था।
2. **रानी लक्ष्मीबाई ने झाँसी छोड़ा–** 4 अप्रैल, 1858 के दिन अंग्रेजी सेना के खिलाफ भीषण संघर्ष के बाद झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई को झाँसी छोड़ना पड़ा था। झाँसी के विद्रोह को दमन करने के लिए 23 मार्च, 1858 ई. को ह्यूरोज को भेजा गया। ह्यूरोज ने झाँसी को घेर लिया। 8 दिनों तक रानी ने वीरता से युद्ध किया परंतु कुछ विश्वासघातियों के कारण अंग्रेज सेना अंदर घुस गई। रानी सैनिक वेश में शत्रु सेना से बचकर काल्पी पहुँची जहां वह ह्यूरोज से पराजित हुई। यहाँ से भागकर रानी ग्वालियर गई।
   - **संदर्भः** बच्चों को हिन्दी की पाठ्यपुस्तक **किसलय भाग 3, पाठ 20, 'झाँसी की रानी'** तथा **अतीत से वर्तमान भाग 3, पाठ 6** से जोड़कर चर्चा करें।
3. **माखन लाल चतुर्वेदी का जन्म–** भारत के ख्याति प्राप्त कवि और लेखक माखन लाल चतुर्वेदी का जन्म 4 अप्रैल, 1889 ई. को मध्यप्रदेश के बावई में हुआ था। उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रियता से भाग लिया। उनकी कविताओं में देशप्रेम के साथ–साथ प्रकृति और प्रेम का भी चित्रण है। 1943 में उस समय का हिन्दी साहित्य का सबसे बड़ा 'देव पुरस्कार' माखनलाल जी को 'हिम किरीटिनी' के लिए दिया गया था। 1954 में साहित्य अकादमी पुरस्कारों की स्थापना होने पर हिन्दी साहित्य के लिए प्रथम पुरस्कार (1955 में) उन्हें काव्य संग्रह 'हिमतरंगिनी' के लिए प्रदान किया गया था। 'पुष्प की अभिलाषा' और 'अमर राष्ट्र' जैसी ओजस्वी रचनाओं के इस रचयिता को 1963 में भारत सरकार ने 'पद्म भूषण' से अलंकृत किया।
   - **संदर्भः** बच्चों को **किसलय भाग 2, पाठ 3** से जोड़कर चर्चा करें।
4. **मार्टिन लूथर किंग की हत्या–** अमेरिका के मानवाधिकार कार्यकर्ता मार्टिन लूथर किंग जूनियर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मार्टिन लूथर किंग को 'अमेरिका का गांधी' भी कहते हैं। इन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका में नीग्रो समुदाय के प्रति होने वाले भेदभाव के विरूद्ध सफल अहिंसात्मक आंदोलन का संचालन किया। इन्होंने पूरे 381 दिनों तक सत्याग्रही बस आंदोलन चलाया जिसके बाद अमेरिकी बसों में काले–गोरे यात्रियों के लिए अलग–अलग सीटें रखने का प्रावधान खत्म कर दिया गया। उन्हें सन् 1964 में नोबेल शांति पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।
   - **संदर्भः अंग्रेजी, रेनबो पार्ट 2, कक्षा 12 'आई हैव ए ड्रीम'**

Thursday

# दिवस विशेष

4 अप्रैल

मधु प्रिया

## माखनलाल चतुर्वेदी का जन्म 4 अप्रैल

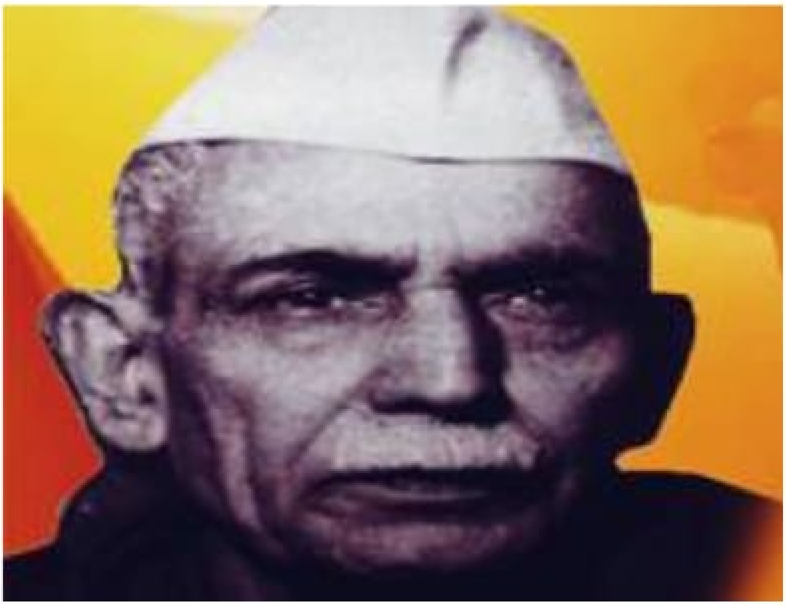

भारत के प्रमुख कवि, लेखक एवं पत्रकार के रूप में अपनी छवि बनाने वाले कवि माखनलाल चतुर्वेदी का जन्म 4 अप्रैल 1889 ई. में मध्य – प्रदेश के होशंगावाद जिले में बावाई नामक स्थान पर हुआ था। इनके पिताजी का नाम नंदलाल चतुर्वेदी और माता का नाम सुंदरीबाई था। इनके पिताजी अपने ग्राम सभा में स्थित एक प्राथमिक विद्यालय में अध्यापक हुआ करते थे। माखनलाल चतुर्वेदी सरल भाषा और ओजपूर्ण भावनाओं के अनूठे हिन्दी रचनाकार थे। उन्हें 'एक भारतीय आत्मा' उपनाम से भी जाना जाता था। राष्ट्रीयता माखनलाल चतुर्वेदी के काव्य का कलेवर तथा रहस्यात्मक प्रेम उनकी आत्मा रही। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में भी सक्रिय रूप से भाग लिया। 1943 ई. में इनको हिंदी साहित्य सम्मलेन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। चतुर्वेदी जी को भारत देश के प्रति अगाध प्रेम था। इनके जन्म के समय भारत में अग्रेजों का राज्य था । इनकी प्रमुख रचनाओं में हिमकिरीटिनी, हिम तरंगिणी, युग चरण, समर्पण, मरण ज्वार, माता, वेणु लो गूंजे धरा, बीजुरी काजल आँज रही आदि इनकी प्रसिद्ध काव्य कृतियाँ हैं। कृष्णार्जुन युद्ध, साहित्य के देवता, समय के पांव, अमीर इरादे :गरीब इरादे आदि इनके प्रसिद्ध गद्यात्मक कृतियाँ हैं। माखनलाल चतुर्वेदी जी की मृत्यु 80 वर्ष की आयु में इस महान साहित्यकार का निधन 30 जनवरी, 1968 को हो गया।

# जयंती विशेष 04 अप्रैल

राकेश कुमार

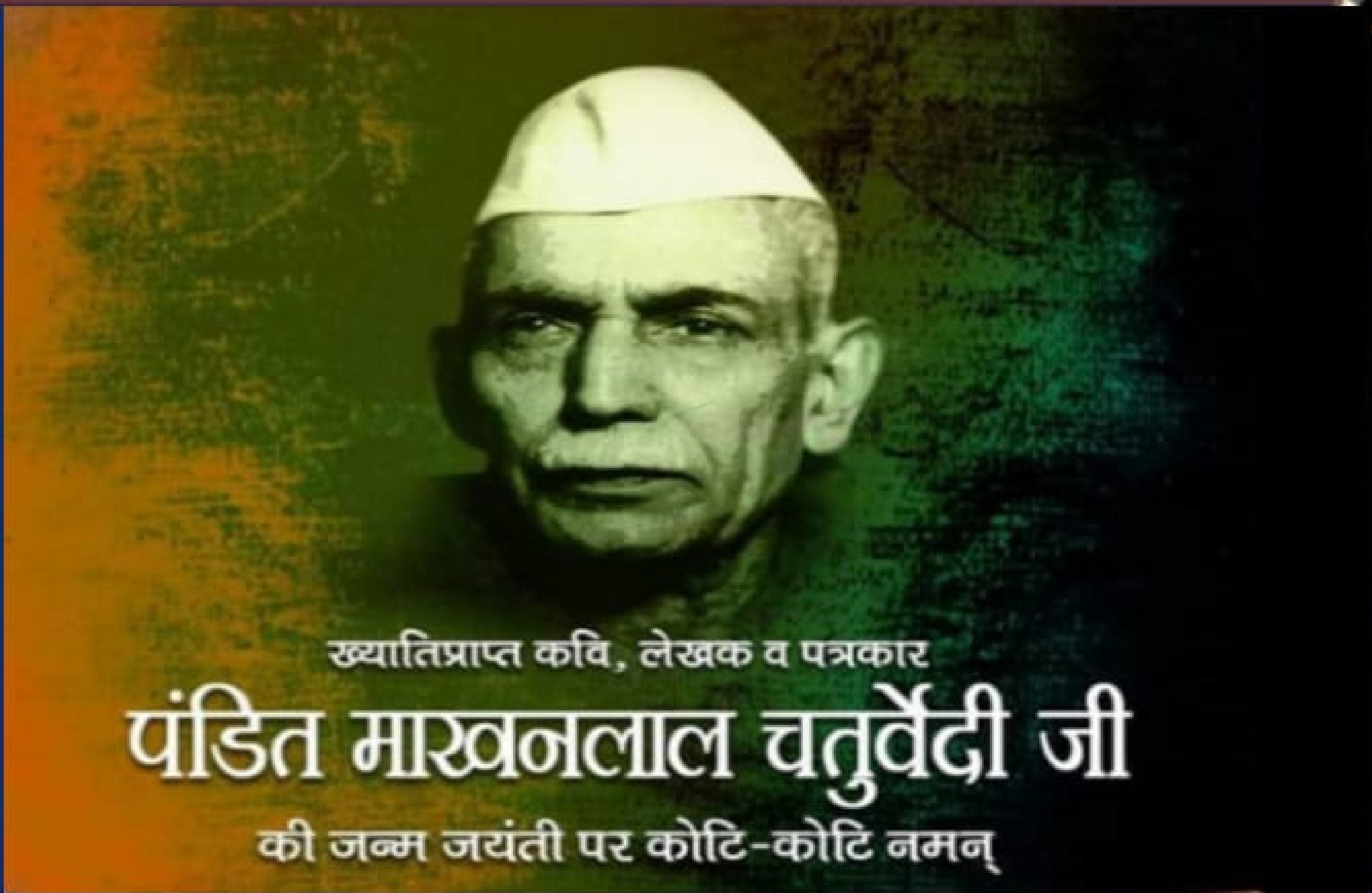


**माखन लाल चतुर्वेदी** *Makhan Lal Chaturvedi*, जन्म- 4 अप्रैल, 1889 बावई, मध्य प्रदेश; मृत्यु- 30 जनवरी, 1968) सरल भाषा और ओजपूर्ण भावनाओं के अनूठे हिन्दी रचनाकार थे। इन्होंने हिन्दी एवं संस्कृत का अध्ययन किया। ये 'कर्मवीर' राष्ट्रीय दैनिक के संपादक थे। इन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। **इनका उपनाम एक भारतीय आत्मा है। राष्ट्रीयता माखन लाल चतुर्वेदी के काव्य का कलेवर है तथा रहस्यात्मक प्रेम उसकी आत्मा है।**

Teachers of Bihar
The Change Makers

राकेश कुमार

# शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 04.04.2024

## मौखिक भाषा विकास

मौखिक भाषा वह प्रणाली है जिसके माध्यम से हम अपनी बात कहने के लिए मौखिक शब्दों का प्रयोग करते हैं। ज्ञान, विचार और भावनाएँ। तो, मौखिक भाषा का विकास करना मतलब है। उन कौशलों और ज्ञान को विकसित करना जो सुनने और बोलने में काम आते हैं —सब कुछ। जिनका पढ़ने की समझ और लिखने से गहरा संबंध है।

# रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

बेंगलुरू के शेफ को दुनिया का सबसे लंबा डोसा बनाने के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड से सम्मानित किया गया है। इस डोसा की लंबाई लगभग 123 फूट है।

# TOB खेल कॉर्नर

राकेश कुमार

## योग पर आधारित प्रश्न

**Q. योग शब्द की उत्पत्ति किस भाषा से हुई?**

**Ans.** संस्कृत से

**Q. योग शब्द का उद्धव हुआ था?**

**Ans.** युज शब्द से

**Q. युज का क्या अर्थ है?**

**Ans.** जुड़ना, एक होना, मिलन अथवा संयोग

**Q. प्राणायाम की अवस्थाएँ है?**

**Ans.** सास को अंदर खींचना, सांस को बाहर निकालना, सास को रोके रखना

**Q. मनोवृति के विरोध का नाम ही योग है यह परिभाषा दी थी?**

**Ans.** महर्षि पतंजलि ने

**Q. प्रसिद्ध योगी पतंजलि ने योग की कितनी अवस्थाओं का वर्णन किया है?**

**Ans.** आठ

# TOB बूझो तो जानें..

384

काला रंग मेरी है शान, सबको मैं देता हूँ ज्ञान,
शिक्षक करते मुझ पर काम, नाम बताकर बनो महान ... बुझो तो जानें ?

संजय कुमार

QUIZ TIME

# Today's Quiz

## Quiz Number 359

**1° देशान्तर की सर्वाधिक दूरी कहां पर होती हैं ?**

A. मकर रेखा पर

B. कर्क रेखा पर

C. भूमध्य रेखा पर

D. धुर्वीय प्रदेश मे

सही उत्तर: C

# 4 अप्रैल

## अंतर्राष्ट्रीय खदान जागरूकता दिवस

विश्व स्तर पर लोगों के बीच बारूदी सुरंगों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय खदान जागरूकता दिवस मनाया जाता है।

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी ,लेखक,
साहित्यकार, कवि एवं पत्रकार

# माखनलाल चतुर्वेदी

जी की जयंती पर सादर नमन।

जन्म- 4 अप्रैल 1889 - मृत्यु- 30 जनवरी 1968

Madhu priya

www.teachersofbihar.org

04 अप्रैल 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

# आज का सुविचार

आलसी का कोई वर्तमान और भविष्य नहीं होता।

**चाणक्य**

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org